Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

प्रशासन अब लोगों के घरों पर ड्रौन कैमरे से रख रहा नजर

निर्देशों का पालन न करने पर 15 लोगों का चालान

निगरानी

संवाददाता

रुद्रप्रयाग। जिले में 2000 से अधिक लोगों को घर पर क्वारंटाइन किया गया है। बावजूद इसके लोग निर्देशों का पालन नहीं कर रहे हैं। इसे देखते हुए प्रशासन अब इन लोगों के घरों पर ड्रौन कैमरे से नजर रख रहा है। साथ ही होम क्वारंटाइन का पालन न करने पर 15 लोगों के खिलाफ धारा 188 के तहत चालान की कार्रवाई की गई है।

जिले में बाहरी क्षेत्रों से बड़ी संख्या में प्रवासी गांवों में रहने आए हैं। इनमें से दो हजार लोग ऐसे हैं, जिन्हें प्रशासन ने 14 दिनों के लिए घर पर ही क्वारंटाइन रहने के निर्देश दिए हैं। बावजूद इसके लोग गांवों में घूम रहे हैं, जिसके चलते अब जिला प्रशासन ड्रोन के जरिये सभी पर नजर रख रहा है। इसी का नतीजा है कि बाहर घूमने पर 15 होम क्वारंटाइन लोगों के खिलाफ चालान की कार्रवाई की गई।

मेरो गौं, मिन बचाण

डीएम मंगेश घिल्डियाल ने बाहरी राज्यों से आए लोगों को घर पर क्वारंटाइन रहने की अपील की है। साथ ही उन्होंने सभी प्रवासियों और स्थानीय लोगों को मेरो गौं, मिन बचाण का संदेश भी दिया है। गढ़वाली भाषा में दिए गए संदेश में जिलाधिकारी घिल्डियाल ने कहा कि अब तक जिले में चार हजार से अधिक लोग जिले के विभिन्न गांवों में आ चुके हैं। प्रशासन ने सबको होम क्वारंटाइन करने के निर्देश दिए हैं। बावजूद ये लोग गांव में खुलेआम घूम रहे हैं, इसकी शिकायत स्थानीय लोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कुछ लोग 20 साल बाद कोरोना जैसी महामारी से बचने के लिए अपने गांव आए हैं। ऐसे में उन्हें 14 दिन होम क्वारंटाइन में रहकर अपने गांव के प्रति प्यार जताना चाहिए।

लॉकडाउन अवधि में नियमों का उल्लघंन करने पर पुलिस अब तक कुल 186 लोगों का चालान कर चुकी है। डीएम मंगेश घिल्डियाल का कहना है कि लोग लॉकडाउन को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। इसके लिए प्रशासन ड्रोन से निगरानी कर रही है। फिलहाल पुलिस ऐसे 15 लोगों के विरुद्ध धारा–188 के तहत कार्रवाई कर चुकी है। इसमें दो साल तक कारावास की सजा है।

सड़क पर बेवजह दौड़ती चार ई-रिक्शा भी सीजः हरिद्वार। लॉकडाउन को सख्ती से लागू कराने के लिए पुलिस लगातार प्रशासन के आदेशों की धज्जियां उड़ाने वाले व्यापारियों या फिर सड़क पर वाहन दौड़ने वाले लोगों पर कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में कोतवाली नगर पुलिस ने लॉकडाउन का उल्लंघन करने वाले चार दुकानदारों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है, तो वहीं बेवजह सड़क पर वाहन दौड़ने वाले चार ई–रिक्शा चालकों के खिलाफ भी कार्रवाई करते हुए ई–रिक्शाओं को सीज किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार लॉकडाउन में छूट की निर्धारित समय सीमा समाप्त होने के बाद चार दुकानदारों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। कोतवाली नगर पुलिस का एक ओर मानवीय चेहरा सामने आया है। जिसने सूचना पर एक गर्भवती महिला की तबीयत खराब होने पर उसको घर से ई–रिक्शा के द्वारा राजकीय महिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जिसको लेकर पुलिस के इस कदम की प्रशंसा की जा रही है।

न्यूज डायरी

प्रमुख अस्पतालों के प्रबंधन के साथ मुख्यमंत्री ने की महत्वपूर्ण बैठक

देहरादून **संवाददाता**। मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने सोमवार को सीएम आवास में कोविड–19 कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव के संबंध में प्रमुख अस्पतालों के प्रबंधन के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना से बचाव के लिए राज्य सरकार हर सम्भव कोशिश कर रही है। इसमें प्राईवेट चिकित्सा संस्थानों का सहयोग बहुत जरूरी है। वर्तमान में दून अस्पताल, महंत इंद्रेश अस्पताल, एम्स ऋषिकेश व हिमालयन अस्पताल में कोविड–19 कोरोना के मरीजों के लिए बेड आरक्षित रखे गए हैं। एम्स ऋषिकेश, हिमालयन अस्पताल जौलीग्रांट, दून अस्पताल व महंत इंद्रेश अस्पताल में कोरोना के ईलाज के लिए पृथक से व्यवस्था की जा रही है। आवश्यकता अनुसार स्वास्थ्य संबंधी उपकरणों की व्यवस्था की जा रही है। इनमें कोरोना के मरीजों के लिए बेड आरक्षित किए गए हैं। बताया गया कि एम्स ऋषिकेश व दून अस्पताल में 400–400 बेड कोरोना के मरीजों के लिए आरक्षित किए गए हैं।

कोरोना वायरस की रोकथाम में भी मददगार होगी सीएम हेल्पलाइन 1905

देहरादून **संवाददाता**। मुख्यमंत्री के आईटी सलाहकार रविंद्र दत्त ने बताया कि आईटी पार्क स्थित आईटीडीए भवन के चतुर्थ तल पर स्थापित सीएम हेल्पलाइन 1905 को अग्रिम आदेशों तक कोरोना वायरस के रोकथाम के लिए उपयोग में लाए जाने की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। इस हेल्पलाइन को अतिरिक्त आवश्यक संचार उपकरणों से और अधिक प्रभावी बनाया गया है, यहां पर एक साथ 16 कार्मिक इससे संबंधित समस्याएं सुन सकते हैं, प्राप्त शिकायतों एवं समस्याओं का संज्ञान लेकर इसकी जानकारी त्वरित रूप से संबंधित अधिकारियों को उपलब्ध कराई जा रही है।

कन्या पूजन पर उपहार में दे सैनिटाइजरः शिखा

संवाददाता रुड़की। श्री श्यामगीत फाउंडेशन की अध्यक्ष शिखा शर्मा ने कन्या पूजन पर इस बार नन्ही मुन्नी बच्चियों को महामारी से बचाव के लिए साफ सफाई के लिए प्रेरित करने और उपहार में टिसू पेपर, सैनिटाइजर व साबुन आदि देने की अपील की है। उन्होंने फाउंडेशन की ओर से जारी अपने एक बयान में कहा कि नवरात्रों में अष्टमी और नवमी पर नवदुर्गा शक्ति की प्रतीक, लाल चुनरी में सजी कन्याओं की पूजा कर उन्हें भोजन कराते हैं और उपहार में प्लास्टिक के बॉक्स, स्कूल टिफिन, प्लेट आदि देते हैं, के स्थान पर महामारी से बचाव की किट देंगे तो देवी मां अधिक प्रसन्न होगी। उन्होंने कहा कि इस वर्ष के शक्ति पूजन में भी उत्साह की कमी नहीं आनी चाहिए।

बरात लेकर उत्तर प्रदेश जा रहे दूल्हे और परिजनों को लौटाया

संवाददाता रुद्रपुर। लॉकडाउन का असर शादी–विवाह जैसे कार्यक्रमों पर भी पड़ा है। ऊधमसिंहनगर जिले में जहां कुछ दिन पहले बिना अनुमति के बरात लेकर आना दूल्हा–दूल्हन के परिजनों को भारी पड़ गया, वहीं दूल्हे समेत अन्य लोगों को रात हवालात में गुजारनी पड़ी थी। लॉकडाउन के कारण ऊधमसिंहनगर से ही शादी में व्यवधान पड़ने का एक और मामला सामने आया है। दरअसल रुद्रपुर के खेड़ा निवासी युवक की बरात प्रशासन से अनुमति के बाद उत्तर प्रदेश रामपुर के शाहबाद जा रही थी। लेकिन लॉकडउन को सख्त बनाने और सीमा को पूरी तरह से सील करने के कारण पुलिस प्रशासन ने लाख अनुरोध करने के बावजूद बरातियों को सीमा पार नहीं करने दिया। नतीजा दूल्हे समेत परिजनों को लौटना पड़ा। कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए 22 मार्च को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 14 अप्रैल तक पूरे देश में लॉकडाउन की घोषणा की है। इसके तहत आवश्यक सेवाओं के लिए ही कुछ समय तक लोगों को छूट दी जा रही है।

पहले भी बंद का दंश झेलता रहा है हरिद्वार

संवाददाता

■1984–97 व 2004 में भी लंबे वक्त बंद रहे हरिद्वार के बाजार

हरिद्वार। हरिद्वार में पिछले आठ दिनों से लॉकडाउन के चलते बाजार पूरी तरह बंद हैं। जरूरी सामान की दुकानों को छोडकर शेष सभी दुकानें बंद हैं। एक बजे के बाद जरूरी सामान की दुकानों को भी गश्त करती पुलिस तत्काल बंद करा दे रही है। हरिद्वार के सप्ताह में सातों दिन खुलने वाले बाजारों में दुकानदारों के लिए इतनी लंबी बंदी का यह पहला अनुभव है। हरिद्वार क्योंकि आमतौर पर शांत शहरों में शुमार है इसलिए यहां असामान्य परिस्थितियों में बाजारों के बंद रहने की घटनाएं कम ही हुई हैं। कर्फ्यू और निषेधाज्ञा का सामना धर्मनगरी करती रही है। उपद्रवों के कारण भी कई बार बाजार बंद रहे हैं। लेकिन इस समय लॉकडाउन में बाजार जितने लंबे समय के लिए बंद है, उसका हरिद्वार में कोई इतिहास नहीं है। हरिद्वार में लंबे वक्त तक बाजारों के बंद रहने का पहला इतिहास 1965–71 के भारत, पाकिस्तान युद्ध के दौरान मिलता है। तब भी लॉकडाउन नहीं अपितु ब्लैक आउट हुआ करता था।

1984 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद भी करीब सप्ताह भर हरिद्वार के बाजार बंद रहे। 1986 के कुंभ में 14 अप्रैल के मुख्य स्नान पर कांगड़ा घाट के निकट पुल पर भगदड़ मचने से 56 लोग मारे गए। इस दुर्घटना के कारण लाखों लोगों से भरी धर्मनगरी शाम होते होते पूरी तरह खाली हो गई। 1992 की 6 दिसंबर को अयोध्या में विवादित ढांचा गिराए जाने के बाद हरिद्वार में भी अफरा–तफरी का माहौल रहा। तब हरिद्वार क्योंकि उत्तर प्रदेश का हिस्सा था, इसलिए ढांचा गिराए जाने की सूचना के बाद यहां बाजार बंद हो गए और फिर प्रदेश में हालात सामान्य होने के बाद ही खुले। 1994 में अलग राज्य आंदोलन के दौरान 2 अक्टूबर की रात को हुए मुजफ्फरनगर कांड के कारण भी हरिद्वार में चार दिन हालात असामान्य बने रहे। 1997 व वर्ष 2000 में दो बार कांवड़ियों के उपद्रव के कारण तीन दिन हरिद्वार के बाजार ठप्प रहे। 1998 में कुंभ के मुख्य स्नान के दौरान हरकीपैड़ी पर पहले स्नान को लेकर संतों में हुए आपसी विवाद के कारण पूरे शहर में हड़कंप मच गया। 2004 के अर्द्धकुंभ में हुए पुलिस, पब्लिक विवाद में धर्मनगरी को पहली बार कर्फ्यू का सामना करना पड़ा।

क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड को पांच करोड़ रुपये जारी करेगा बीसीसीआई

संवाददाता देहरादून। क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड को जल्द ही बीसीसीआइ से पांच करोड़ रुपये का फंड मिलने वाला है। इस फंड से सीएयू के कर्मचारियों की तनख्वाह, वेंडरों के भुगतान के साथ प्रदेश के खिलाड़ियों के लिए बनाई गई योजनाओं को धरातल पर उतारा जाएगा।

सरकार ने लॉकडाउन घोषित कर दिया है। इससे खिलाड़ी घरों में कैद हैं और अपनी रूटीन प्रैक्टिस तक नहीं कर पा रहे हैं। इसी बीच क्रिकेटरों के लिए एक अच्छी खबर आ रही है। बीसीसीआइ क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड को पांच करोड़ का फंड जारी करने जा रही है। दरअसल बीसीसीआइ खुद से संबद्ध सभी राज्य क्रिकेट संघों को राज्य में क्रिकेट के संचालन व खिलाड़ियों के हित में कदम उठाने के लिए सालाना फंड जारी करता है। बीसीसीआइ उपाध्यक्ष व क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड के सचिव महिम वर्मा ने बताया कि बीसीसीआइ सचिव जय शाह से फंड के संदर्भ में बातचीत हुई है। इस पर उन्होंने अगले कुछ ही दिनों में फंड जारी करने की बात कही है।